कलिंग भारती

THE KALINGA BHARATI

POSTAL REGD. NO.OR/BN/-40/21-23

पृष्ठ -2 असली गणतंत्र तो अभी बाकी है !

पृष्ठ -8 केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद लॉन्च करेंगे डिजिटल वोटर आईडी कार्ड

उत्तर-पूर्व संस्करण VOL. 32 NO. 247 | राउरकेला ROURKELA | गुरुवार THURSDAY | दिनांक : २८.०१.२०२१ (२९ डाक) DT. 28.01.2021 (DAKA 29) | रु.३.०० पैसा Rs. 3. 00 Paise | पृष्ठ ८ | कर्मण्य वाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचन

बैरिकेड और सीमेंट के अवरोधक तोड़ दिल्ली में घुसे किसान, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

गणतंत्र दिवस परेड के खत्म होने से पहले ही दाखिल हुए कुछ किसान संगठन

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली से लगे सिंघू और टिकरी बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के कुछ समूह पुलिस के अवरोधकों को तोड़कर दिल्ली में दाखिल हो गए। इसके बाद ये किसान काफी समय तक मुकरबा चौके पर बैठे, लेकिन फिर उन्होंने वहां लगे बैरिकेड और सीमेंट के अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद किसानों के समूह पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा कर्मियों ने किसानों को समझाने की कोशिश भी की और कहा कि राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड के खत्म होने के बाद उन्हें दिल्ली में ट्रैक्टर परेड करने की अनुमति दी गई है। इसके बावजूद कई ट्रैक्टर नजर आए, जिन पर तिरंगे लगे थे। इनके साथ पुरुष तथा महिलाएं ढोल पर नाचते नजर आए।

सड़क के दोनों ओर खड़े स्थानीय लोग फूलों की बारिश भी कर रहे थे। कुछ किसान हाथ में विभिन्न किसान संगठनों के झंडे लिए और नारे लगाते पैदल चलते भी नजर आए। कुछ मोटर साइकिल और घोड़ों पर सवार थे। लोग अपने ट्रैक्टरों के ऊपर खड़े होकर नारे लगाते और क्रांतिकारी गीत गाते भी दिखे। स्थानीय लोगों ने मार्च में शामिल किसानों को खाद्य पदार्थ और पानी की बोतलें बांटी। मौके पर मौजूद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इससे पहले बताया था कि किसानों के कुछ समूह अवरोधक तोड़कर राष्ट्रीय राजधानी में दाखिल हो गए। उन्होंने कहा, '' पुलिस और किसानों के बीच इस बात को लेकर सहमति बनी थी कि वे निर्धारित समय पर परेड शुरू करेंगे, लेकिन वे जबरन दिल्ली में दाखिल हो गए। तय मार्ग के अनुसार उन्हें बवाना की ओर जाना था लेकिन उन्होंने आउटर रिंग रोड की ओर जाने की जिद शुरू कर दी।''

दिल्ली पुलिस ने वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड के बाद किसानों को ट्रैक्टर परेड निकालने की रविवार को अनुमति दे दी थी। प्रदर्शनकारियों को कहा गया था कि वे राजपथ के जश्न को बाधित नहीं कर सकते, इस पर किसानों ने इस बात पर जोर दिया था कि उनकी परेड ''शांतिपूर्ण'' होगी। अधिकारी ने कहा, '' लेकिन किसानों के कुछ समूह माने नहीं और पुलिस के अवरोधक तोड़ कर आउटर रिंग रोड की ओर बढ़ने लगे।''' केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे ४१ किसान संघों के प्रमुख संगठन 'संयुक्त किसान मोर्चा' के एक सदस्य ने कहा कि अवरोधक तोड़ने वाले लोग 'किसान मजदूर संघर्ष कमेटी' के सदस्य थे।

एक अधिकारी ने बताया कि निगरानी रखने के लिए करीब छह हजार सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। संदिग्ध लोगों की पहचान करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा चेहरे से पहचान करने वाली प्रणाली भी प्रमुख स्थानों पर लगाई गई है। राजपथ पर नजर रखने के लिए ऊंची इमारतों पर शार्प शूटरों और स्नाइपरों को तैनात किया गया है, जहां राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अन्य गणमान्य व्यक्तियों और हजारों लोगों के साथ गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत करेंगे। गौरतलब है कि हजारों किसान पिछले साल २८ नवम्बर से दिल्ली से लगी सीमाओं पर केन्द्र के नए कृषि कानूनों को रद्द किए जाने और उनकी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्यों की कानूनी गारंटी की मांग करे रहे हैं। इनमें अधिकतर किसाल पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हैं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ पर तिरंगा फहराने के बाद परेड की शुरुआत हो गई। सबसे पहले हेलीकॉप्टरों ने फूल बरसाए और इसके बाद पूर्व सैनिकों ने राष्ट्रपति को सलामी दी। बांग्लादेश सैन्य बल की १२२ सदस्यीय टुकड़ी ने पहली बार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। टुकड़ी का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल अबु मोहम्मद शाहनूर शावोन, डिप्टी लेफ्टिनेंट फरहान इशराक और फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिबत रहमान ने किया। बता दें कि राष्ट्रपति कोविंद अपने विशेष घुड़सवार अंगरक्षकों के साथ जब राजपथ पर मौजूद सलामी मंच पर पहुंचे तो वहां पर अगवानी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस साल परेड छोटी होगी। राजपथ से शुरू होकर परेड लाल किले की जगह नेशनल स्टेडियम पर ही खत्म हो जाएगी। केवल झांकियां ही लाल किले तक जाएंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ७२वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ७२वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट किया, देशवासियों को गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। जय हिंद!'' गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह राजधानी दिल्ली में राजपथ पर सम्पन्न होता है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह कोविड-१९ के कारण अन्य वर्षों की तुलना में थोड़ा अलग होगा। परेड स्थल की दूरी कम कर दी गई है। यह परेड हर साल की तरह विजय चौक से शुरू होगी लेकिन लालकिले की बजाए यह इंडिया गेट के पास नेशनल स्टेडियम में सम्पन्न होगी।

देशवासियों को गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। जय हिंद!

फ्रंट लाइन के सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने भारत - चीन के बीच सहमति

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव को घटाने के लिये फ्रंट लाइन के सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने पर सहमति बनी है। दोनों देशों के कोर कमांडर के बीच ९वें दौर की वार्ता के बाद सेना ने बयान जारी करके कहा है कि वेस्टर्न सेक्टर में पीछे हटने को लेकर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक और व्यवहारिक बातचीत हुई, इससे दोनों पक्षों के बीच आपसी विश्वास और समझ बढ़ेगी। बयान के अनुसार, दोनों देश इस बात से सहमत हुए है कि फ्रंट लाइन के सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। दोनों देशों के सेनाओं के बीच १०वें राउंड की बातचीत जल्द होगी। इसके साथ ही इस बात पर सहमति जताई गई कि दोनों देशों की सेनाएं सीमा पर संयम बरतेगी और शांति और सौहार्द बनाए रखेंगी।

भारत और चीन के कार्प्स कमांडर लेवल की बैठक २४ जनवरी को चीन के माल्डो-चुशुल बॉर्डर पर हुई थी। दोनों पक्षों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास, वेस्टर्न सेक्टर पर सैनिकों की संख्या कम करने के मसले पर चर्चा हुई। दोनों देशों के अनुसार, बातचीत सकारात्मक, व्यावहारिक और रचनात्मक रही जिससे आपसी सहमति और समझ बनी है। दोनों पक्ष अग्रिम मोर्चे के सैनिकों को जल्द ही हटाने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्षों ने अपने नेताओं के बीच बनी सहमति का पालन करने, बातचीत के लिए अच्छा माहौल बनाने के साथ १०वें दौर की बातचीत जल्द ही आयोजित करने को लेकर भी रजामंदी जताई।

बैठक में भारत की ओर से सेना के १४ कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन और चीन की तरफ से दक्षिणी शिनजियांग मिलिट्री रीजन कमांडर मेजर जनरल लियू लिन ने हिस्सा लिया। बताते चलें कि पूर्वी लद्दाख में विभिन्न पवर्तीय क्षेत्रों में भारतीय थल सेना के कम से कम ५०,००० जवान युद्ध की तैयारियों के साथ अभी तैनात हैं। गतिरोध के हल के लिए दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है।

टीकाकरण में दुनिया को पछाड़ चुका है भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग भारत दुनिया के कई विकसित देशों भी अधिक मजबूती से लड़ रहा है। कोरोना वैक्सीनेशन के मामले में भारत ने अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को पछाड़ दिया है और अब तक कुल १६ लाख लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। देश में सिर्फ छह दिनों के भीतर १० लाख लोगों को कोविड-१९ के टीके लगे हैं। यह एक ऐसा आंकड़ा है, जिसने अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। सरकार के मुताबिक, देश में टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब १६ लाख लोगों को टीके लग चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि १० लाख का आंकड़ा पार करने में ब्रिटेन को १८ दिन और अमेरिका को १० दिन का समय लगा था। मंत्रालय ने बताया कि २४ जनवरी सुबह आठ बजे तक करीब १६ लाख (१५,८२,२०१) लाभार्थियों को टीके लगे हैं। पिछले २४ घंटे में देश भर में ३,५१२ सत्रों में करीब दो लाख (१,९१,६०९) लोगों को टीके लगे। वहीं अब तक टीकाकरण के लिए २७,९२० सत्रों का आयोजन किया जा चुका है। मंत्रालय ने बताया कि देश में 'जांच-संपर्क का पता-इलाज की रणनीति सफल रही है और देश में नए मामलों में लगातार कमी आने के साथ ही संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से कम हुई है। देश में अभी १,८४,४०८ मरीजों का उपचार चल रहा है जो कि कुल मामलों का १.७३ फीसदी है। पिछले २४ घंटे में १५,९४८ मरीज संक्रमण मुक्त हुए जिसके बाद इलाज कर रहे मरीजों की संख्या में इस अवधि में सीधे तौर पर १,२५४ मरीजों की कमी हुई। देश में संक्रमण का इलाज कर रहे मरीजों में से ७५ फीसदी केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से हैं। केरल में एक दिन में सबसे ज्यादा ५,२८३ मरीज स्वस्थ हुए। इसके बाद महाराष्ट्र में ३,६९४ मरीज स्वस्थ हुए। मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक १,०३,१६,७८६ मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि नए स्वस्थ हुए लोगों में से ८४.३० फीसदी १० राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश से है। केरल में एक दिन में सबसे ज्यादा ६९६० नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में २६९७ नए मामले सामने आए हैं। देश में पिछले २४ घंटे में कोविड-१९ के १४,८४९ नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर १,०६,५४,५३३ हो गई। इनमें से ८०.६७ फीसदी मामले छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सामने आए हैं।

संघ पर बरसे राहुल गांधी

त्रिपूर (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का पैतृक संगठन तमिलनाडु का भविष्य तय नहीं कर सकता और इसका फैसला राज्य की जनता एवं इसके युवा करेंगे। एक जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक 'भ्रम' है और वह सोचते हैं कि वह तमिलनाडु सरकार को 'धमका' सकते हैं तो वह राज्य के लोगों को भी नियंत्रित कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'वह (मोदी) नहीं समझते हैं कि तमिलनाडु का भविष्य केवल तमिल लोग ही तय कर सकते हैं। नागपुर के 'निक्करवाले' कभी भी राज्य का भविष्य तय नहीं कर सकते हैं। तमिलनाडु के भविष्य का फैसला इसके युवा करेंगे।' उन्होंने कहा कि वह लोगों को सरकार बनाने में मदद करने के लिए तमिलनाडु में हैं जोकि तमिल लोगों के हितों की देखभाल कर सकेगी। राहुल गांधी ने कहा कि उनके तमिलनाडु के साथ 'घरेलू संबंध' हैं। कृषि कानूनों को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम नरेंद्र मोदी को भारत की नींव बर्बाद करने की अनुमति नहीं देंगे।' वहीं, तमिलनाडु में ही अपने प्रचार के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाए कि चीन के सैनिकों ने भारतीय क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है और ५६ ईंच सीना रखने वाले व्यक्ति पड़ोसी देश का नाम तक नहीं ले सकते हैं। इरोड में सभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाए कि मोदी महज पांच या छह उद्यमियों के लिए देश का शासन चला रहे हैं। राज्य में अगले कुछ महीने में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

कंपकंपाती सर्दी से अभी नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और अभी कुछ दिन इससे राहत मिलने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के कुफरी, भरमौर, केलोंग और कल्पा में बर्फबारी के बाद कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी रहा। इसका असर, अब उत्तर और मध्य भारत में अब देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन में उत्तर और मध्य भारत में कड़ाके की ठंड का नया दौर शुरू होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग की मानें तो शुक्रवार तक कड़ाके की ठंड पड़ेगी। ठंड का कहर कितना भयावह है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में अपने खेत में सिंचाई करते हुए ४५ वर्षीय किसान की कथित रूप से ठंड लगने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शीतलहर के बीच मौसम शुष्क रहा। राज्य के कुछ इलाकों में बीते २४ घंटे के दौरान घना कोहरा छाया रहा। राज्य में न्यूनतम तापमान ४.४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'किशनपुर थाना इलाके के मेहरौली गांव में ४५ वर्षीय किसान कामता निषाद की अपने खेत में सिंचाई करते वक्त कथित रूप से ठंड लगने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के जम्मू-कश्मीर से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने से २५ जनवरी से शुष्क उत्तर-पश्चिमी पवनें जोर पकड़ने लगेंगी। अगले तीन-चार दिन तक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और इससे लगे मध्य तथा पश्चिमी भारत के हिस्सों में इनका प्रभाव बना रहेगा। मौसम विभाग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कुफरी, भरमौर, केलोंग और कल्पा में बर्फबारी हुई जबकि राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में मध्यम स्तर की बारिश हुई है। लाहौल-स्पीति का प्रशासनिक केन्द्र केलोंग राज्य का सबसे ठंडा इलाका बना हुआ है, जहां तापमान शून्य से ९.२ डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया है। राजस्थान के हिस्सों में रात का तापमान सामान्य से अधिक रहा। भीलवाड़ा में सबसे कम छह डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर के अधिकतर हिस्सों में रविवार को बर्फबारी के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन बादलों के बीच सुबह के समय धूप भी निकली। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में तापमान शून्य से नीचे १.९ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो बीती रात के तापमान माइनस दो डिग्री सेल्सियस से ऊपर है। इसके अलावा गुलमर्ग का तापमान शनिवार रात माइनस ११ डिग्री सेल्सियस रहा। पहलगाम का तापमान शून्य से १२ डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

पवित्र हरिद्वार कुंभ मेला २७ फरवरी से शुरू, श्रद्धालुओं को कोरोना निगेटिव रिपोर्ट के बाद ही मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तराखंड के हरिद्वार में पवित्र कुंभ मेला २७ फरवरी २०२१ से शुरू होने जा रहा है। मेले के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी किया है। एसओपी में लिखा गया है कि कुंभ मेला २७ फरवरी से शुरू होकर ३० अप्रैल २०२१ तक चल सकता है। श्रद्धालुओं को कोरोना की निगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट (७२ घंटे से ज़्यादा पुरानी नहीं) लानी होगी, तभी मेले में प्रवेश मिलेगा। संभावना है कि मेले के दौरान रोजाना १० लाख लोग आएंगे, जबकि पर्व स्नान या शाही स्नान के दौरान ५० लाख लोग आ सकते हैं। उत्तराखंड सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि केवल वही स्वास्थ्य कर्मी और फ्रंट लाइन वर्कर कुंभ मेला में तैनात हों जिनको कोरोना वैक्सीन लग गई हो।

उत्तराखंड सरकार को यह यात्रा बिल्कुल अमरनाथ यात्रा की तर्ज पर करवानी होगी। यानी सभी श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन होगा और अनिवार्य रूप से मेडिकल सर्टिफिकेट लाना होगा। यानी जो श्रद्धालु कुंभ मेले में आना चाहते हैं उनको उत्तराखंड सरकार के यहां रजिस्टर कराना होगा साथ ही अपने निकटतम कम्युनिटी हेल्थ सेंटर या जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज से मेडिकल सर्टिफिकेट लेकर भी आना होगा। उत्तराखंड सरकार को इस बात का प्रचार सभी राज्यों में अच्छे से करना होगा।

जो श्रद्धालु मेडिकल सर्टिफिकेट लेकर नहीं आएगा उनको कुंभ मेला में घुसने की इजाजत नहीं होगी। ६५ वर्ष की उम्र के ऊपर के लोग, गर्भवती महिलाएं, १० साल से कम आयु के बच्चे और पुरानी गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को कुंभ मेले में आने से हतोत्साहित किया जाए। राज्य सरकार के ऐसे कर्मचारी जिनकी उम्र ज्यादा है, गर्भवती महिलाएं या पुरानी गंभीर बीमारी से ग्रस्त कर्मचारी, इन लोगों को किसी भी फ्रंटलाइन काम या फिर ऐसे काम में ना लगाया जाए जहां पर जनता से सीधा संबंध हो। कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन कराना होगा। देह से दूरी, फावे मास्क ज़रूरी होगा। जो लोग इसका पालन नहीं करेंगे उन पर जुर्माना लगाना होगा। थूकने पर सख्त पाबंदी होगी।